निर्देश – इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं – 'क', 'ख', 'ग' और 'घ', सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खंड - क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर से सही विकल्प चुनिए— (5)

बुढ़े सियार ने भेड़ों को रोक कर कहा, माम्बो और बहनो! अब भय मत करो। भेड़िया राजा संत हो गए हैं। उन्होंने हिस्सा बिल्कुल छोड़ दी है। उनका हुद्य परिवर्तन हो गया है। वे आज सात दिनों से घास खाते हैं। रात-दिन भगवान के भजन व परोपकार में लगे हैं। उन्होंने अपना जीवन जीव-मात्र की सेवा में अर्पित कर दिया है। अब वे किसी का दिल नहीं दुखाते, किसी का रोम तक नहीं छोटे। भेड़ों से उन्हें विशेष प्रेम है। इस जाति ने जो कष्ट सहे हैं, उनको याद करके कमी-कभी भेड़िया संत की ओखें में अँखू आ जाते हैं। उनकी अपनी भेड़िया जाति ने जो अत्याचार आप पर किए हैं, उनके कारण संत का माथा लज्जा से जो शुक्का है, सो शुक्का ही हुआ है, परतु अब वे शेष जीवन आपकी सेवा में लगकर प्रायोजित करेंगे। आज संवेदित बात है कि एक मासूम भेड़ के बच्चे के पाँव में कांटा लग गया तो भेड़िया संत ने उसे दूंतों से निकाला; पर जब बड़े बेचारे कष्ट में चल बसा तो भेड़िया संत ने समानापूर्वक उसकी उद्देश्यता किया की। उनके घर के पास हड्डियों का जो दंड आप देख रहे हैं, वह उसी का है। अब वे सर्वश्रेष्ठ त्याग चुके हैं। अब आप भय मत करो।

(क) बुढे भेड़िया का हुदय परिवर्तन कैसे हो गया?

(i) भेड़िये ने मासूम खाना शुरू कर दिया

(ii) उसने घास खानी शुरू कर दी

(iii) उसने सभी खाना छोड़ दिया

(iv) किसी की भी तरफ ओँख उठाना बंद कर दिया।

(ख) 'भेड़ों से उन्हें विशेष प्रेम है, इसका आशय है

(i) गरीबों के खून को चूसा जाए

(ii) उनका उद्धार किया जाए

(iii) गरीबों को बढ़ावा दिया जाए

(iv) गरीबों से कुछ न कहा जाए
(g) प्रस्तुत कहानी में किस पर व्यंग्य किया गया है?

(i) अमीरों पर (ii) लोकतंत्र पर
(iii) चुनाव प्रक्रिया पर (iv) भेड़िये पर

(घ) 'प्रायोगिक' शब्द का अर्थ है–

(i) अंतिम संस्कार (ii) कपड़ी
(iii) पश्चात्ताप (iv) उपाय

(ड) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक क्यों हो सकता है?

(i) गरीब-अमीर (ii) मेरा पश्चात्ताप
(iii) भय की समाप्ति (iv) भेड़िये व मेरे

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर से सही विकल्प चुनिए—

महंगाई या मूल्यवृद्धि से आज समस्त विश्व त्रस्त है। भारत बड़ी महंगाई की घाटी में बुरी तरह से जंक्टा हुआ है। जीवनव्यवस्था वस्तुओं के दाम दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं जिनसे जन-साधारण को अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। महंगाई से देश के आर्थिक ढँचे पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। महंगाई के निर्माता चरण अनवरत रूप से अग्रसर है; पता नहीं वे कब व कहीं रहेंगे, आज कोई भी वस्तु बाजार में सस्ते दामों पर उपलब्ध नहीं है, समाज का प्रत्येक वर्ग महंगाई की मार को अनावृत अतिथि की तरह सहन कर रहा है; इसका सर्वाधिक प्रभाव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र पर पड़ रहा है। सरकारी योजनाओं पर अत्यधिक खर्च हो रहा है। अपने खाते के लिए लोगों में धार्मिक सामाजिक तथा नैतिक मान्यताएं पीछे छुड़ी जाती है और भ्रष्टाचार का बोलबाला हो जाता है। अर्थशास्त्र की मान्यता है कि किसी वस्तु की मूंग उत्पादन से अधिक हो तो मूल्यों में स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी हो जाती है।

(क) आज महंगाई से कौन दुखी है?

(i) उदयोगपति (ii) सारा विश्व
(iii) चीन (iv) नेपाल

(ख) महंगाई से देश का कौन-सा ढँचा बदला रहा है?

(i) आर्थिक (ii) सामाजिक
(iii) राजनैतिक (iv) नैतिक
(ग) अर्थशास्त्र के अनुसार महागाई का कारण है?

(i) मौंग से अधिक उत्पादन  (ii) धार्मिक मान्यताएँ
(iii) उत्पादन से अधिक मौंग  (iv) राजनीतिक दबाव

(घ) 'अनाहत' का विलोम शब्द है?

(i) हत  (ii) आहूत
(iii) आहूत  (iv) नाहूत

(ङ) इस गद्यांश का उचित शीर्षक है–

(i) प्रस्ताव  (ii) अर्थशास्त्र
(iii) जामाखोरी  (iv) महागाई

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर से सही विकल्प चुनिए–

अगर तुम्हें मुक्ति मिली, कौन तुम्हें दास कहे?

स्वामी तुम धनुजों के संवत्त के संग–संग चलते चलो।

नदियों ने चलकर ही

सागर का रूप लिया

मेघों ने चलकर ही

धरती को गर्म दिया

रूकने का मरण नाम, पीछे सब प्रसार है।

आये हैं संगमहल, युग के ही संग–संग चलते चलो।

मानव जिस ओर गया

नगर बने, तीर्थ बने

तुम से है कौन बड़ा?

गगन–सिंहु मित्र बने,

भूमि का भोगों सुख, नदियों का सोम पियो

त्यागे सब जीवन वसन, नूतन के संग–संग चलते चलो।
(क) इस कविता में कवि ने क्या संदेश दिया है?
(i) निरलसंता का
(ii) बादलों की तरह गर्जना
(iii) सागर की तरह अथाह होने का
(iv) उत्तरुओं की तरह परिवर्तित होने का

(ख) 'युग के संग—संग चलते चलो' का क्या आशय है?
(i) समय के साथ चलना
(ii) नदियों की तरह बहना
(iii) रंग महलों के साथ चलना
(iv) आकाश व सागर के साथ चलना

(ग) त्यागे सब जीवन वसन— का तात्पर्य है?
(i) सब पुराने वस्त्र त्याग दो
(ii) सदा नए वस्त्र धारण करो
(iii) पुरानी सड़क गाली रुढ़ियों को त्याग दो
(iv) सभी भावनाओं को त्याग दो

(घ) 'स्वामी तुम उत्तरुओं के, संवतग, के संग—संग चलते चलो' — इस पंक्ति का अर्थ है?
(i) तुममें परिवर्तन की शक्ति है
(ii) तुम गौरव बदल सकते हो
(iii) तकनीकी विकास की ओर संकेत
(iv) नए वर्ष की ओर संकेत

(ङ) 'तुमसे है कोन बढ़ा – कवि ने मनुष्य को सबसे बढ़ा क्यों कहा है?
(i) निरंतर संघर्ष के कारण
(ii) सृष्टि के निर्जीव तत्त्वों को जानने के कारण
(iii) सृष्टि के सजीव तत्त्वों का रहस्य जानने के कारण
(iv) सृष्टि के सजीव व निर्जीव तत्त्वों पर विजय पाने के कारण

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर से सही विकल्प चुनिए—

यह सड़क पर जो खून बह रहा है
उसे सूँफकर तो देखो
और पहचानने की कोशिश करो
यह हिन्दू का है या मुसलमान का
किसी सिक्का का है या ईसाई का
किसी बहन का या भाई का
सड़क पर इंधन—उधर पड़े
पत्थरों के नीचे में दबे
टिफिन कैरियर से
जो रोटी की गंध आ रही है
यह किस जाति की है,
हैं में बता सकता हूँ
यह खून उस आदमी का है
जिसके टिफिन में बंद
रोटी की गंध
उस जाति की है
जो घर और दफ्तर के बीच
साइकिल चलाती है
और जिसके सपनों की उम्र
फाइलों में बीत जाती है।

(क) इस कविता में कवि का क्या चित्रित कर रहा है?

(i) सड़क पर खून को
(ii) आतंकवाद की समस्या का
(iii) व्यक्ति की पहचान का
(iv) संस्कृति का

(ख) टिफिन कैसेर से किस नीज़ की खुशाल आ रही थी?

(i) रोटी
(ii) फूल
(iii) पत्ते
(iv) फल

(ग) इस पद्यांश में किन धर्मों का उल्लेख नहीं हुआ है?

(i) हिंदू
(ii) मुस्लिम
(iii) सिख
(iv) पारसी

(घ) इस कविता में क्या पहचानने को कहा है?

(i) रंग को
(ii) रूप को
(iii) खून से व्यक्ति के धर्म, जाति व लिंग की पहचान करने को
(iv) चेहरा पहचानने को
5. (क) शब्द पद कब बन जाता है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ख) रेखांकित पदबंधों को पहचान कर उनके भेद का नाम लिखिए—

(i) मोहन बहुत तेजी से बोला।

(ii) एक छोटी लड़की रिक्षा में जा रही है।

6. (क) रेखांकित पदों का पद—परिचय दीजिए—

(i) मेरा छोटा भाई दसवीं कक्षा में पढ़ता है।

(ii) बच्चे स्कूल जा रहे हैं।

(iii) बुधा व्यक्ति धीरे—धीरे बच्चा चल रहा है।

(ख) रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए—

बादल गरजे और बरस कर चले गए।

7. (क) संधि—विच्छेद कीजिए—

राजस्थि, इत्यादि।

(ख) संधि कीजिए—

शिक्षा + अर्थि, राका + ईश, लोक + उवित, सर्व + उत्तम।

8. (क) निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए—

(i) साक्षी बाजार जा कर फल खरीद लाई। (संयुक्त वाक्य में)

(ii) निर्मल हृदय वाले व्यक्ति को कोई भयभीत नहीं कर सकता (भिन्न वाक्य में)

(ख) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—

(i) कुल की परंपरा (समस्त—पद बनाकर भेद का नाम लिखिए)

(ii) विशालकाय (समास वियस्त कीजिए)

(iii) महात्मा (समास वियस्त कीजिए)
9. (क) स्तंभ 'क' में दिए मुहावरों का मिलान स्तंभ 'ख' में दिए उनके अर्थ से कीजिए—

<table>
<thead>
<tr>
<th>स्तंभ 'क'</th>
<th>स्तंभ 'ख'</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>(i) साये से भागना</td>
<td>अत्यंत मुश्किल</td>
</tr>
<tr>
<td>(ii) पौंच पसारना</td>
<td>कोशिश करना</td>
</tr>
<tr>
<td>(iii) पहाड़ के समान</td>
<td>घबराना/दूर रहना</td>
</tr>
<tr>
<td>(iv) हाथ-पौंच हिलाना</td>
<td>पैलाव बढ़ाना</td>
</tr>
</tbody>
</table>

(ख) निम्नलिखित लोकोक्तियों में से किन्ही दो के अर्थ लिखिए—

| (i) | कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगु तेली। |
| (ii) | अधजल गगरी छलकत जाए। |
| (iii) | एक हाथ से ताली नहीं बजती। |
| (iv) | खोदा पहाड़ निकली चुहिया। |

खंड - ग

10. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक को पढकर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प छोटिए—

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं, मैं नाहि।
सब अंधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्य क्या है।

(i) 'मैं' किसका प्रतीक है?

| (क) प्रेम | (ख) अहम |
| (ग) प्रकाश | (घ) अंधियारा |

(ii) हरि की प्राप्ति किस कारण से नहीं होती?

| (क) गर्व | (ख) शोक |
| (ग) मान | (घ) धमांड |

(iii) प्रस्तुत दोहे की रचना किस नाम की है?

| (क) घनानंद | (ख) शहीम |
| (ग) कबीर | (घ) मीरा |
(iv) 'अज्ञान का अंधकार कब मिटा?

(क) जब आत्मनुसूची दीपक जला  (ख) जब बाहर प्रकाश फैला
(ग) जब आत्मा का अधस्त हुआ  (घ) जब आत्मा प्रसन्न हुई

(v) दीपक किसका प्रतीक है—

(क) ज्ञान का  (ख) अज्ञान का
(ग) अंधकार का  (घ) हरि का

अथवा

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल—पल परिवर्तित प्रकृति—वेश।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्त्र दृश्य—सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार—बार
नीचे जल में निज महाकार,
—जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण—सा फैला है दिशाल!

(i) कवि ने पर्वत प्रदेश में किस ऋतु का वर्णन किया है?

(क) सरदी  (ख) ग्रीष्म
(ग) वर्षा  (घ) पतझड़

(ii) पल—पल कौन अपना वेश परिवर्तित कर रहा है?

(क) मौसम  (ख) प्रकृति
(ग) पर्वत  (घ) जापने

(iii) पर्वत की ओर खे किसे कहा गया है?

(क) सुगन्धों को  (ख) कलियों को
(ग) कोटों को  (घ) पत्तों को
(iv) ‘दर्शन—सा फैला है विशाल!’ किसे कहा है—

(k) तलाब को  
(ख) पहाड़ को  
(ग) झरने को  
(घ) फूल को

(v) प्रस्तुत काव्यांश की रचना की है—

(k) सुमित्रानंदन पंत  
(ख) महाप्रयाण मिराला  
(ग) मैथिलीशरण गुप्त  
(घ) जयशंकर प्रसाद

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(k) ‘तलाया—वामीरो कथा’ पाठ में वामीरों से मिलने के बाद तलाया के जीवन में क्या परिवर्तन आया?

(ख) ‘बड़े भाई साहब’ पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

(ग) ‘तीसरी कसम’ में रची—बसी कसुना तराजू पर ताली जा सकने वाली चीज नहीं थी—ऐसा लेखक ने क्यों कहा है?

12. डायरी का एक पन्ना (26 जनवरी, 1931) पाठ का मुख्य उद्देश्य क्या है?

अथवा

भाई साहब ने शिक्षा के किस तौर—तरीकों पर व्याख्या किया है?

13. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मगर टाइम—टेबल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरु हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हलके—हलके झांके, फुटबॉल की वह ज्यादा—कूड़, कबड्डी के बे टॉर्नोव—पाठ, वॉलीबॉल की वह तेजी और फुस्ती, मुझे अज्ञात और अनियम रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम—टेबिल, वह आखिर जुड़ी पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फजीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साथ से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेतना करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नज़र मेरी और उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार—शी लटकती मालूम होती।

(k) टाइम—टेबिल पर अमल नहीं होने के क्या कारण थे?

(ख) भाई साहब को नसीहत और फजीहत का अवसर कब मिल जाता था?

(ग) लेखक भाई साहब की आँखें से दूर रहने का प्रयास क्यों करता था?
(घ) सिर पर एक नंगी तलवार—सी लटकती रहती—अर्थ लिखिए।  

(अथवा)

सचिव मोर्चा, जब सिटिल अंदर माना और कार—निकोबार आपस में चुड़े हुए थे, तब वहाँ एक सुन्दर—सी गाँव था—पासा। पासा में एक सुन्दर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था तत्त्वों। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। तत्त्वों एक नेक और मदमाद व्यक्ति था। 

(क) सबी उसका आदर करते। वक्त मुसीबत में उसे स्वरूप करते और वह भागा—भागा वहाँ पहुंच जाता। दूसरे गाँवों में भी पर्व—त्योहारों के समय उस विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आली रखना की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते।

(ख) तत्त्वों अपनी किन विशेषताओं के कारण चर्चित था?

(ग) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

(घ) तत्त्वों के गाँव का नाम क्या था?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए—

(क) मीराबाई ने श्री कृष्ण के किस अलौकिक रूप—सौदर्य का वर्णन किया है?

(ख) 'पर्वत प्रदेश में पावस' पाठ में किस अंश की कौन—सी विशेषताओं को दर्शाया गया है?

(ग) 'ऐसी अशिष पीव का, पढ़े चुंभित होइ—इस पंचित दुर्बासा कबी क्या कहना चाहता है?

(घ) इंशर कण—कण में व्याप्त है पर हन उन्हें देख नहीं पाते। क्यों?

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए—

(क) 'हरिहर काका' की कहानी किस यथार्थता को उजागर करती है?

(ख) हरिहर काका का चरित्र—चित्रण कीजिए।

(ग) अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं—पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

16. धर्म की आड़ में धर्म के तेजेश्वरों के दुर्बासा कई अनैतिक कार्य किए जाते हैं। आपके अनुसार क्या ऐसा करना चाहिए है? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। (४)
अथवा

हरित्क हाँक दो महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे?

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए।

(क) लड़का-लड़की एक समान–

संकेत बिंदु – भूमिका, समानताएं, दक्षिणात्यी विचारधारा, हमारा दायित्व, निष्ठा।

(ख) विद्यार्थी जीवन और मैंनें–

संकेत बिंदु – मैंनें का अभिप्रय, विद्यार्थियों पर बढ़ते मैंनें का प्रभाव, मैंनें के दुश्मन, समाधान रूपी निष्ठा

(ग) स्वतंत्रता स्वच्छता नहीं है–

संकेत बिंदु – स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ, स्वतंत्रता और स्वच्छता में अंतर, स्वतंत्रता का संबंध स्वर्ण मनोवृत्ति तथा सामूहिक चेतना से है, निष्ठा।

18. अपने क्षेत्र में मच्छरों के काटने से मलरिया तेजी से फैल रहा है, इसकी जानकारी देते हुए उचित रोकथाम के लिए स्वास्थ्य अधिकार को पत्र लिखिए।

अथवा

अपने विद्यालय में कम्प्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए उद्धेषणार्थ को पत्र लिखिए।